ಮಹಾರಾಜ ಎಜುಕೇಷನ್ ಟ್ರಸ್ಟ್ (ರಿ)

ಎಂಐಟಿ ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆ ಕಾಲೇಜು

ಮಾನಂದವಾಡಿ ರಸ್ತೆ, ಮೈಸೂರು

MIT FIRST GRADE COLLEGE

Manandavadi Road, Mysuru

18CA14

Ninaada

Voice of MITFGC

Annual Magazine 2018 -19

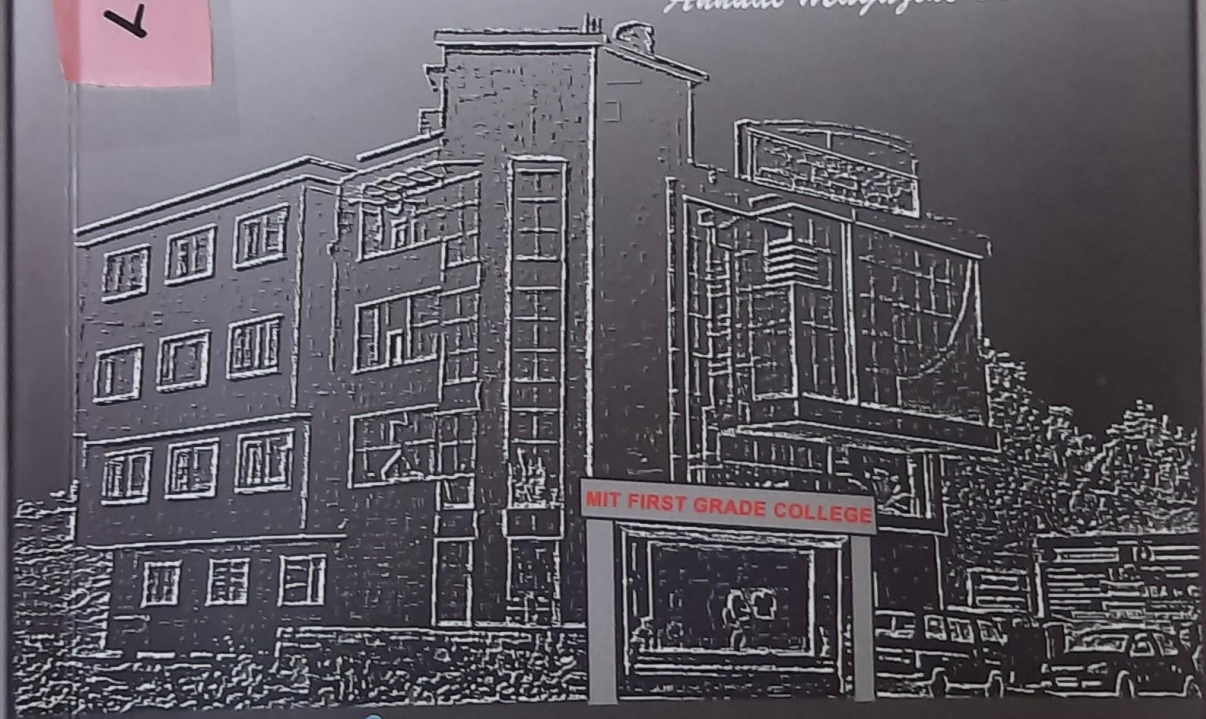

ನಿನಾದ

ವಾರ್ಷಿಕ ಸಂಚಿಕೆ 2018 - 19

अरुंधति राय

• नंदिनी जैन
II बी.सी.ए. 'बी' विभाग

अरुंधति राय का जन्म 24 नवंबर 1961 में हुआ। वह अंग्रेजी लेखिका और समाजसेवी हैं। अरुंधति राय अंग्रेजी की सुप्रसिद्ध लेखिका है, जिन्होंने कुछेक फ़िल्मों में भी काम किया हैं। "द गॉड ऑफ़ स्मॉल थिंग्स" के लिये बुकर पुरस्कर प्राप्त अरुंधति राय ने लेखन के अलवा नर्मदा वचाओ आंदोलन समेत भारत के दूसरे जनांदोलनों में भी हिस्सा लिया है।

शिलैंग में 24 नवम्बर 1961 को जन्मी अरुंधति राय ने अपने जीवन कें शुरुवाती दिन केरल में गुज़ारे। उसके बाद उन्होंने आर्किटेक्ट की पढाई दिल्ली से की। अपने करियर की शुरुवात उन्होंने अभिनय से की। मैसी साहब फिल्म में उन्होनें प्रमुख भूमिका निभाई। इसके अलावा कई फिल्मों के लिये पटकथाओं भी उन्होने लिखीं।

जिनमें in which Annie gives it those ones (1989), Electric Moon (1992) को खासी सराहना मिली। 1997 में जब उन्हें उपन्यास गॉड ऑफ स्माल थिंग्स के लिये बुकर पुरसिकार मिला तो साहित्य जगत का ध्यान उनकी ओर गया।

क्रांतिकारी विचार : अमरीकि साम्राज्यवाद से लेकर, परमाणु हथियारों की होड़, नर्मदा आदि कई स्थानिय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के खिलाफ आवाज बुलंद करती रहीं हैं अरुंधति राय. लेकिन अब उनका मानना है कि कम से कम भारत में अहिंसक विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अवज्ञा आंदोलनों से बात नहीं बन रही हैं।

हिन्दी सुभाषिता

कड़वे-प्रवचन

जीवन में सफल होना है तो चार वाक्यों को कचरे के डिब्बे में डाल दो। 1) लोग क्या कहेंगे, 2) मुझसे नहीं होगा। 3) अभी मेरा मूड नहीं। 4) मेरी तो किस्मत ही खराब है। ये वे चार वाक्य है जो आदमी को आगे नहीं बढ़ने देते। चलो, उठो, आगे बढ़ो। क्यों सुस्त पड़े हो। जो पाना है, उसे पाने के लिए पूरी ताकत झाक दो। तुम्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

* * * *

दरवाजा कहता है
अतिथि का स्वागत करो

घडी कहती है
काल के चक्र को पहचान
खिड़कियाँ कहती है
दूर दृष्टि रख, दुनिया का भान रख

मंदिर कहता है
पवित्रता रख, नाम स्मरण कर, रविन्द्र
छत कहता है
उच्छ विचार रख ऊँची आकांक्षा रख परन्तु जमीन कहती हैं
पैर सिर्फ मुझ पर ही रहने दें।

हिन्दी की विशेषताएँ

• नंदिनी जैन
II बी.सी.ए. 'बी' विभाग

हिन्दी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के सिन्धु शब्द से हुई है सिन्धु नदी के क्षेत्र में आने कारण ईरानी लोग सिन्धु न कहकर हिन्दू कहने लगे जिसके कारण यहाँ के लोग हिन्द, हिन्दू और हिन्दुस्तान कहलाने लगे।

हिन्दी भारत की सवैंधानिक राजभाषा है जिसे 14 सितम्बर 1949 को अधिकारिक रूप से राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया।

भारत में अनेक भाषा और बोलिया बोली जाती है हमारे देश में इतनी भाषाएँ है ये कहावत कही गयी है

"कोस कोस पर बदले पानी और चार कोस पर वानी"

अर्थात हमारे देश भारत में हर एक कोस की दूरी पर पानी का स्वाद बदल जाता है और 4 कोस पर भाषा यानि वाणी भी बदल जाती हैं लेकिन इन सभी भाषाओं में सबसे अधिक भाषा बोले जाने वाली हिन्दी हैं।

हिन्दी भाषा बोलने में सबसे अधिक सरल और लचीली भाषा है हिन्दी भाषा को बोलना और समझना बहुत ही आसान है।

हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसमे त्रुटी न के बराबर है अर्थात हिन्दी भाषा जो लिखी जाती है वही बोली भी जाती हैं।

हिन्दी भाषा को लिखने के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग किया जाता है जो की हिन्दी भाषा वैज्ञानिका तथ्यों पर खरी उतरती हैं।

हिन्दी भाषा अपने में इतनी महत्वपूर्ण है हिन्दी की सभी साहित्य सभी दृष्टियों से परिपूर्ण हैं।

हिन्दी भाषा का इतना अधिक मांग है कि दुनिया के सबसे बड़े search Engine Google ने भी वर्ष 2009 में हिन्दी भाषा को अपना लिया और हिन्दी की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि दुसरे भाषा है जिसे गूगल भी मानता है।

हिन्दी भाषा का हिन्दी सिनेमा पर भी खास 'प्रभाव' है पूरे भारत में हिन्दी सिनेमा लोगो के दिलों की धडकन है और हिन्दी गाने तो लोगों के दिल को सुकून देने वाली होती है।

दुनिया की एकमात्र हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जो कि सबसे अधिक और तेजी से प्रसारित होने वाली भाषाओ में से एक है हिन्दी भाषा के बोले जाने में लगभग 94% की दूर से वृद्धि हो रही है जो कि हिन्दी बोलने वालो के लिए एक अच्छीखबर हैं।

हिन्दी सुभाषिता

एक विचार लो उस विचार को अपना जीवन बना लो-उसके बारे में सोचो उसके सपने देखो, उस विचार को जियो अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, शरीर के हर हिस्से को उस विचार में डूब जाने दो, और बाकी सभी विचार को किनारे रख दो. यही सफल होने का तरीका हैं।

-स्वामी विवेकानन्द

MET Felicitation
to our Respected V
Dr. G. Hemantha K
University of Mysc

Inauguration of
Vishishta Vyshishtya

Orientation by Asst. Prof. Prasanna Kumar Keragodu
Dept. of English, Govt. First Grade College, Siddhartha Layout, Mysore.